भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

दिनांक : 23.2.2023

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

AKAM के अंतर्गत

" बाँस प्रवर्धन, प्रबंधन एवं हस्त शिल्प निर्माण"

विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

वन उत्पादकता संस्थान, राँची के के निदेशक डॉ० योगेश्वर मिश्रा के त्वरित पहल एवं विस्तार प्रभागाध्यक्ष श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की के दिशानिर्देशन में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 23 फरवरी, 2023 को खूँटी जिले के कर्रा प्रखंड अंतर्गत हँसबेड़ा ग्राम में " बाँस प्रवर्धन, प्रबंधन एवं हस्त शिल्प निर्माण" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया जिसमें दीनदयाल उपाध्याय ग्राम स्वालंबन योजना के मेंटोर श्री लाल मोहन सहित 40 बाँस कारीगरों ने भाग लिया।

श्री लाल मोहन ने भावाअशिप- वन उत्पादकता संस्थान के दल का स्वागत करते हुए ग्रामीणों को इस प्रशिक्षण से अधिकाधिक लाभ लेने का आग्रह किया।

श्री बी. डी. पण्डित, तकनीकी अधिकारी ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए कार्यक्रम के दो भागों " प्रवर्धन एवं प्रबंधन" तथा "हस्त शिल्प कला निर्माण" के लिए ग्रामीणों को बताया कि बाँस हस्तशिल्प रोजगार का एक सशक्त साधन है और इसके उपभोग के लिए जरूरी बाँस संसाधन लिए हम प्रकृति से दोहन करते हैं। शिल्प कला एवं बाँस प्रवर्धन व प्रबंधन के उपस्थित ग्रामीण कारीगरों को उनकी रुचि के अनुसार दो भागों में बाँटकर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने बाँस से जुड़े रोजगार की असीम संभावनाओं की चर्चा करते हुए कारीगरों को इसके उत्पादों के बाज़ार के विस्तार को समझाया। श्री करम सिंह मुण्डा, तकनीकी सहायक ने सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि छोटे छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का प्रयास करती है साथ ही ग्रामीणों से आग्रह किया कि अपनी आय वृद्धि जीवन में खुशहाली लेन हेतु ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भरपूर लाभ उठाएँ।

शिल्पकार श्रीमती जीतन देवी ने बाँस हस्तशिल्प के माध्यम से अपनी आय वृद्धि करने एवं अपने जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु बाँस शिल्प कला के व्यवसाय के रूप में अपनाने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया तथा बाँस से पेन स्टैंड, गुलदस्ता, ब्रश स्टैंड, बैग आदि विभिन्न वस्तुओं के निर्माण का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण के दौरान कई महिलाओं ने पेन स्टैंड तथा गुलदस्ता बनाना सीखा। शिल्पकार सुश्री सुमित्रा कुमारी ने हस्तशिल्प सिखाते हुए बताया कि एक बाँस से न्यूनतम एक हज़ार रूपये मूल्य तक की वस्तुओं का निर्माण किया जा सकता है।

श्री बी. डी. पण्डित ने श्री निसार आलम और श्री करम सिंह मुण्डा के सहयोग से उपस्थित किसानों तथा बाँस कारीगरों को बाँस प्रवर्धन की पृथक्करन तकनीक द्वारा एक से अनेक पौध तैयार करने एवं सिंगल नोड कटिंग, डबल नोड कटिंग एवं बीज द्वारा पौधा तैयार करने, उसके रोपण एवं प्रबंधन तकनीक के विषय में बताया। उन्होंने टुल्डा बाँस में फूल आने पर बीज संग्रह हेतु हमारे संस्थान को सूचित करने का भी आग्रह किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में आरती दीदी एवं सुमित्रा दीदी का सराहनीय योगदान रहा। पुरुष बाँस कारीगरों ने बाँस का सोफा बनाने के लिए प्रशिक्षण दिलाये जाने का आग्रह किया।

संस्थान की भागीदारी की झलकियां

स्थान: हँसबड़ा

AKAM के अंतर्गत

दिनांक : 23.2.2023

"बाँस प्रवर्धन, प्रबंधन एवं हस्त शिल्प निर्माण" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण.....

भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान, रांची